नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 038
दि. 07.06.2026, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

गोंडा में सीएम योगी का जलवा, 'बुलडोजर बाबा' के नारों से गूंजा पंडाल; कुर्सियों पर खड़े होकर लोगों ने सुना भाषण

(जीएनएस)।

गोंडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार सुबह बलरामपुर में मां पाटेश्वरी का पूजन कर सभास्थल चकरौत पहुंचे। कटरा व करनैलगंज विधानसभा के बॉर्डर पर आयोजित इस जनसभा में दोनों ही विधानसभाओं के लोग पहुंचे। सुबह दस बजे मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम में सुबह सात बजे से ही लोग पहुंचने लगे। सुबह दस बजे से पहले ही पंडाल लोगों से खचाखच भरा नजर आया और हर ओर भगवा लहराता दिखा।

मुख्यमंत्री योगी के मंच पर पहुंचते ही जनप्रतिनिधियों ने भाषण दिया। जिले के जनप्रतिनिधियों व वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री को भगवान राम की प्रतिमा और गदा भेंट कर उनका स्वागत किया। साथ ही जिला प्रशासन की ओर से उन्हें मां शक्ति की प्रतिमा शक्ति और सेवा के प्रतीक के रूप में भेंट की गई। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जनता, कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। मंच पर स्वागत उद्बोधन में कैसरगंज लोकसभा सांसद करन भूषण सिंह ने अपने भाषण में सीएम को बुलडोजर बाबा कहकर संबोधित किया। उनके इतना कहते ही पंडाल में जय श्री राम व बुलडोजर बाबा की जय के उद्घोष हुआ। वहीं, मुख्यमंत्री ने अपने भाषण की शुरूआत में कहा कि गोंडा ऊर्जावान जनपद है। यहां के युवा ऊर्जावान, अन्नदाता किसान परिश्रमी और बहनें व बेटियां प्रतिभाशाली हैं। इस पर पंडाल में भाजपा के झंडे लहराते रहे। लोग कुर्सियों पर खड़े होकर सीएम का भाषण सुनते नजर आए।

युवाओं ने सराहा सीएम के विकास मॉडल को

कटरा निवासी आशीष मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री का भाषण सुनने के लिए सुबह सात बजे से ही आ गया था। जिससे आगे पहुंचकर उन्हें देख भी सके और ठीक से सुन भी सके। उनके साथ आए मनीष, शिवम व अन्य लोगों ने भी मुख्यमंत्री के विकास मॉडल को सराहा। कहा कि बुलडोजर बाबा के राज में जितनी तेजी से बुलडोजर चलता है, उससे ज्यादा तेज गति से विकास का पहिया भी चलता है। इसीलिए सीएम योगी को सुनने आए हैं। इसी तरह करनैलगंज से पहुंचे आलोक मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री का यह कहना कि अच्छे जनप्रतिनिधि चुनें, एकदम सही है। सही जनप्रतिनिधियों को चुनने से ही सही

ढंग से विकास होता है।

मुख्यमंत्री ने जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोंडा में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, चाबी, प्रमाण पत्र, स्वीकृति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित होने वाले लाभार्थी...

आरती देवी- प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का प्रमाण पत्र

गीता सिंह- प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना- 40 लाख का चेक

ब्रजमोहन शुक्ल- कस्टम हायरिंग सेंटर के तहत ट्रैक्टर की चाबी

वैभव सिंह- प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना- 8 लाख का चेक

हरिओम वर्मा- दिव्यांगजन पेंशन योजना का स्वीकृति पत्र

बेबी ऋषिका- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की लाभार्थी

अनारा- गोनार्क स्वच्छता मार्ट के लिए चाबी

अंकित कुमार- मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना- 2.62 लाख

देवी प्रसाद- आयुष्मान वन वंदना कार्ड

महेश- वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत प्रमाण पत्र

तारावती- कन्या विवाह सहायता योजना- 85 हजार का चेक

पूजा व सरोज- एनआरएलएम- 387 स्वयं सहायता समूह को बैंक क्रेडिट लिकेंज वितरण के तहत 7.58 लाख से अधिक का चेक

ऊषा- मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की चाबी

अभिषेक तिवारी- मेधावी छात्र- स्टडी टेबल व प्रमाण पत्ररुचि- मेधावी छात्रा- स्टडी टेबल व प्रमाण पत्र

टीईटी प्रभावित शिक्षकों को सीएम योगी ने दी बड़ी राहत, दिया सेवा सुरक्षा का आश्वासन, कहा- सरकार उठाएगी आवश्यक कदम

(जीएनएस)।

लखनऊ। परिषदीय विद्यालयों में टीईटी अनिवार्यता से प्रभावित शिक्षकों की सेवा सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सकारात्मक आश्वासन मिला है।

शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने दावा किया है कि मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों के अनुभव और योगदान का पूरा सम्मान किया जाएगा। उनकी सेवाएं सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक कदम उठाया जा रहा है और आगे भी शिक्षकों के हितों का ध्यान रखा जाएगा।

विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) देवेंद्र प्रताप सिंह और राज बहादुर सिंह चंदेल के नेतृत्व में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय तिवारी व संयुक्त महामंत्री अमित सिंह ने मुख्यमंत्री से उनके कालीदास मार्ग स्थित आवास पर मुलाकात की।

प्रतिनिधिमंडल ने सबसे पहले शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और मध्याह्न भोजन योजना से जुड़े रसोइयों के लिए लागू कैशलेस चिकित्सा योजना पर मुख्यमंत्री का आभार जताया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने टीईटी प्रभावित शिक्षकों का मुद्दा उठाया।

कहा कि वर्षों से विद्यालयों में सेवाएं दे रहे शिक्षकों की नौकरी सर्वोच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद संकट में आ गई है। ऐसे शिक्षकों के अनुभव को देखते हुए उन्हें सेवा अवधि के आधार पर वेटेज दिया जाए और विशेष विभागीय टीईटी परीक्षा आयोजित कर उनकी सेवाएं सुरक्षित की जाएं।

प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों के लंबे अनुभव और योगदान को देखते हुए ही राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के एक सितंबर 2025 के आदेश के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर की थी। सरकार सभी शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

वर्ष 2000 के बाद अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में नियुक्त तदर्थ शिक्षकों का मामला भी उठाया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक अंतरिम आदेश में कहा था कि इन शिक्षकों को बाहर करने की मंशा नहीं है। साथ ही शासनादेश 9 नवंबर 2023 में संशोधन या उसे निरस्त कर राजकोष से वेतन प्राप्त कर रहे तदर्थ शिक्षकों को उनके वर्तमान पदों पर ही समायोजित करने का सुझाव भी रखा।

एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के साथ हुई वार्ता बेहद सकारात्मक रही। शिक्षकों को किसी भ्रम में पड़ने या भटकने की आवश्यकता नहीं है। सरकार उनके अनुभव का सम्मान करते हुए उचित समाधान निकालने के लिए गंभीरता से प्रयास कर रही है।

पीएम मोदी ने नॉर्वे शतरंज जीतने पर प्रज्ञानानंदा को बधाई दी

नयी दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शतरंज खिलाड़ी आर. प्रज्ञानानंदा के निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना

करते हुए उन्हें नॉर्वे शतरंज टूनार्मेंट जीतने पर बधाई दी और इसे भारतीय खेल इतिहास की एक बड़ी उपलब्धि करार दिया।

प्रज्ञानानंदा नॉर्वे शतरंज टूनार्मेंट के 2013 में आरंभ होने के बाद इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता को जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने अपने अभियान के दौरान विश्व नंबर एक और सात बार के विजेता मैग्नस कार्लसन को दो बार हराकर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

काठमांडू में खुलेगा आईआईटी और एम्स? नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने दिए संकेत

(जीएनएस)।

भारत और नेपाल के रिश्तों में एक नया अध्याय शुरू होता दिख रहा है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल की पहली आधिकारिक भारत यात्रा सिर्फ एक कूटनीतिक दौरा नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच नए भरोसे और साझेदारी का संकेत मानी जा रही है। इस दौरान शिक्षा, तकनीक, ऊर्जा और कनेक्टिविटी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

सबसे ज्यादा चर्चा उस प्रस्ताव की हो रही है, जिसमें नेपाल ने भारत के सहयोग से अपने यहां IIT या AIIMS कैंपस खोलने की इच्छा जताई है। अगर यह योजना आगे बढ़ती है, तो यह दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाई दे सकती है।

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने NDTV को दिए इंटरव्यू में बताया कि उनकी सरकार शिक्षा और तकनीक के क्षेत्र में भारत के साथ बड़े स्तर पर सहयोग चाहती है। इसी सोच के तहत नेपाल ने अपने यहां IIT या

AIIMS जैसा विश्वस्तरीय संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। उनका मानना है कि इससे नेपाली छात्रों को विदेश जाने की जरूरत कम होगी और उन्हें अपने देश में ही बेहतर शिक्षा और रिसर्च की सुविधा मिल सकेगी। यह कदम नेपाल के शिक्षा सेक्टर के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है।

खनाल का दौरा इस बात का संकेत माना जा रहा है कि नेपाल अब पुराने राजनीतिक विवादों और मतभेदों को पीछे छोड़ना चाहता है। नई सरकार का फोकस अब विकास, निवेश और आर्थिक सहयोग पर है। नेपाल का मानना है कि भारत के साथ मजबूत साझेदारी दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगी। यही वजह है कि कूटनीतिक मुद्दों की बजाय इस बार बातचीत में प्रैक्टिकल प्रोजेक्ट्स और विकास से जुड़े विषयों को प्राथमिकता दी गई है। नेपाल सरकार चाहती है कि उसके युवा आधुनिक तकनीक और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। इसके लिए भारत के अनुभव और संस्थानों का सहयोग महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पश्चिम एशिया संकट से निपटने के उपायों पर पीएम मोदी की बैठक, आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ की चर्चा

पश्चिम एशिया संकट के भारत पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन

आम जनता को बचाने और कारोबार सुगम बनाने पर जोर

ऊर्जा आत्मनिर्भरता और कच्चे तेल आपूर्ति विविधीकरण पर चर्चा

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ बैठक की। बैठक में पश्चिम एशिया संकट के कारण देश पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने आम जनता को इसके प्रभावों से हरसंभव बचाने और उनके जीवन को सुगम बनाने पर जोर दिया। इसके साथ कारोबार को सुगम बनाने के उपायों और उससे जुड़े सुधारों पर भी चर्चा हुई।

मोदी सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण रुपए पर बढ़ते दबाव को कम करने और कच्चे तेल व गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

सूत्रों के अनुसार आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्यों ने प्रधानमंत्री मोदी के सामने पश्चिम

एशिया संकट के भारत समेत पूरी दुनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर प्रजेंटेशन दिया। इसके साथ ही इन प्रभावों और उनसे निपटने के उपायों पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

इनमें डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट पर चिंता और उससे निपटने के लिए आरबीआइ द्वारा उठाए गए कदमों पर चर्चा शामिल है। सदस्यों ने भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए तात्कालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक उपाय उठाने की जरूरत बताई।

इनमें किसी एक स्रोत के बजाय कच्चे तेल व गैस सप्लाई करने वाले देशों की संख्या बढ़ाने और किसी खास क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता को कम करने और धीरे-धीरे सोलर, हाइड्रो, परमाणु, इथेनाल और हाइड्रोजन को बढ़ावा देकर ऊर्जा क्षेत्र में पूर्ण आत्मनिर्भरता हासिल करने पर जोर दिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभावों पर अलग-अलग विस्तृत विश्लेषण कर उन्हें इनसे बचाने के लिए जरूरी कदम उठाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए जरूरी सुधार की प्रक्रिया काम करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने साफ किया कि वैश्विक संकट के बावजूद आम जनता पर इसका प्रभाव कम से कम हो हमें इसके लिए जरूरी कदम उठाने होंगे। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही आरबीआइ ने विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए भी कुछ कदम उठाए हैं और उसके फलस्वरूप रुपये में मजबूती भी आई है।

बैठक में आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्यों के अलावा प्रधानमंत्री के दोनों प्रधान सचिव पीके मिश्रा और शक्तिकांत दास भी मौजूद थे।

हैदराबाद में फर्नीचर गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक, हादसे में कोई जनहानि नहीं

(जीएनएस)।

हैदराबाद के तप्पाचाबुतरा इलाके में स्थित मेन इंटीरियर फोम एंड फर्नीचर वेयरहाउस में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की संभावित वजह माना जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही तप्पाचाबुतरा पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन गोदाम में रखा फर्नीचर और अन्य सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया, जिससे भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, गोदाम में आग लगने के पीछे शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। बताया जा

रहा है कि वेयरहाउस के अंदर विद्युत प्रणाली में अचानक खराबी आने के बाद चिंगारी निकली, जिसने देखते ही देखते पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। गोदाम में बड़ी मात्रा में फोम, लकड़ी और अन्य ज्वलनशील सामग्री मौजूद थी, जिसके कारण आग तेजी से फैल गई। हालांकि पुलिस और फायर विभाग तकनीकी जांच के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारण की पुष्टि करेंगे।

स्थानीय निवासियों ने गोदाम से धुआं और आग की लपटें उठती देख तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही तप्पाचाबुतरा पुलिस की टीम और फायर ब्रिगेड के जवान मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा और इलाके में सुरक्षा घेरा बनाया। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकलकर्मियों ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया, जिससे स्थिति को और बिगड़ने से रोका जा सका। आग लगने के बाद दमकल विभाग ने एक फायर इंजन की मदद से आग बुझाने का अभियान चलाया। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया

अंजना ओम कश्यप का खान सर पर तगड़ा पलटवार, ठोका इतने करोड़ का केस कि निकल जाएगी हेकड़ी!

देश के चर्चित शिक्षक और खान ग्लोबल स्टडीज के संस्थापक खान सर (फैजल खान) की मुश्किलें लगातार बढ़ती नजर आ रही हैं। एक तरफ फायरिंग केस को लेकर उनका नाम पहले से सुर्खियों में है, वहीं अब उन पर दिल्ली हाईकोर्ट में 2 करोड़ रुपये का मानहानि मुकदमा भी दायर कर दिया गया है। 'आजतक' की मैनेजिंग एडिटर अंजना ओम कश्यप और TV Today Group की ओर से दाखिल इस याचिका ने पूरे विवाद को नया मोड़ दे दिया है।

उ.प्र. में इबोला वायरस की दस्तक? विदेश से लौटे 95 लोगों की लिस्ट तैयार, दो व्यक्ति होम क्वारंटाइन, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

(जीएनएस)।

ग्लोबल लेवल पर पैर पसार रहे जानलेवा इबोला वायरस को लेकर देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी हाई अलर्ट जारी हो चुका है। अफ्रीका के कुछ देशों में इबोला के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की गाइडलाइंस के तहत यूपी सरकार पूरी तरह सतर्क है। इसी कड़ी में विदेश से लौटे 95 यात्रियों की एक विशेष इबोला सर्विलांस लिस्ट तैयार की गई है, जिसमें बस्ती मंडल के दो प्रवासियों का नाम सामने आते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

इन दोनों यात्रियों को एहतियात के तौर पर तुरंत होम क्वारंटाइन कर दिया गया है ताकि संक्रमण के किसी भी संभावित खतरे को शुरूआत में ही रोका जा सके। आइए जानतें हैं स्वास्थ्य विभाग और एक्सपर्ट ने इस गंभीर स्थिति पर क्या कदम उठाए हैं...

इबोला प्रभावित क्षेत्रों से लौटे यात्रियों की जो लाइन लिस्ट तैयार की गई है, उसमें बस्ती मंडल के दो यात्री शामिल हैं। इनमें से एक युवक बस्ती जिले के सल्टौआ ब्लॉक के एक गांव का रहने वाला 22 वर्षीय व्यापारी है, जो बांग्लादेश की राजधानी ढाका से हवाई यात्रा कर दिल्ली पहुंचा था। दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरते ही इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग को दे दी गई थी।

वहीं, दूसरा यात्री संतकबीरनगर जिले के बघौली ब्लॉक का निवासी है, जो पिछले एक दशक से युगांडा के इंटेबी शहर में मजदूरी कर रहा था और हाल ही में मुंबई के रास्ते स्वदेश लौटा है। सीएमओ बस्ती ने मुस्तैदी दिखाते हुए संतकबीरनगर के स्वास्थ्य विभाग को पत्र भेजकर इस यात्री की जानकारी साझा की है, जिसके बाद दोनों को सख्त निगरानी में होम क्वारंटाइन कर दिया गया है।

दुनिया भर में इबोला के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्थिति बेहद चिंताजनक हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयेसस ने अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (Africa CDC) के साथ मिलकर इस महामारी से निपटने के लिए जून से नवंबर तक का एक छह-महीने का विशेष प्लान जारी किया है, जिसका कुल बजट 518 मिलियन डॉलर (लगभग $51.8 करोड़) रखा गया है।

फीस वृद्धि के विरोध में धरना दे रहे छात्रों के खिलाफ कार्रवाई का विरोध तेज, मैदान में उतरे छात्रसंघ के पूर्व पदाधिकारी

(एजेंसी)।

लखनऊ। प्रख्यात लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन के बाद तीन छात्र नेताओं को शैक्षिक अधिकार से वंचित कर दिया गया। तीन छात्र नेताओं को शैक्षिक अधिकार से वंचित करने की सूचना पर छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष रमेश श्रीवास्तव इनके पक्ष में उतर आए और शनिवार को वंचित छात्रों के समर्थन में धरना दिया।

छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष रमेश श्रीवास्तव धरना दे रहे छात्रों के समर्थन में अनशन किया। पूर्व छात्र नेता रमेश श्रीवास्तव ने बताया एक साथ लगभग 50 से 100% ज्यादा फीस वृद्धि यदि की गई है, छात्र नेता यदि विरोध ना करते तो गलत है। उनके विरोध प्रदर्शन को किसी भी दृष्टिकोण से अनुचित नहीं कहा जा सकता है।

कुलपति से वार्ता के दो घंटे बीतने

के बाद कुलपति जब कार्यालय से बाहर निकलने लगे तो छात्र नेता उनके गाड़ी सामने लेट गए और वार्ता करने के लिए दरवाजे पर थपकी दी। यह लोकतांत्रिक तरीका है, इस कारण से निष्कासन अलोकतांत्रिक है। इतने छोटे कारण से छात्र नेताओं को शिक्षा से वंचित करना दमन और तानाशाही है।

रमेश श्रीवास्तव ने कहा कि निष्कासित छात्रों के समर्थन में मंगलवार को कई और पूर्व छात्र नेता धरने पर आएंगे और कुलपति से वार्ता करने का प्रयास भी करेंगे। कुलपति जी तो विश्वविद्यालय के सर्वोच्च पद के बाद अभिभावक भी हैं और उनकी सोच का दायरा बड़ा और व्यापक होना चाहिए, उनको वार्ता भी करना चाहिए। बढ़ी हुई फीस वृद्धि पर पुनः विचार करना चाहिए एवं छात्र नेताओं के निष्कासन को तत्काल वापस लेना चाहिए।

छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि फीस वृद्धि प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा के लिए अभिशाप होता जा रहा है। इसके विरोध में जल्दी ही प्रेस क्लब में वर्तमान छात्र नेता, पूर्व छात्र नेता, वरिष्ठ पत्रकार, अधिवक्ता, समाजसेवी व बुद्धिजीवी की एक बैठक आयोजित की जाएगी। महंगी होती शिक्षा को लेकर छात्रों एवं अभिभावकों के बीच में जन जागृति कर एक समन्वय बनाने की रणनीति पर विचार करेंगे।

सीएम योगी ने किए मां पाटेश्वरी के दर्शन, मुख्यमंत्री ने की स्वस्थ-समृद्ध उत्तर प्रदेश की कामना

(एजेंसी)।

बलरामपुर, गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह तुलसीपुर में देवी शक्तिपीठ मां पाटेश्वरी मंदिर में दर्शन, पूजन-अर्चन किया. उन्होंने मां की आरती उतारी और सुखी, स्वस्थ व समृद्ध उत्तर प्रदेश की कामना की. मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया.

सीएम योगी शुक्रवार को बलरामपुर पहुंचे. यहां विकास कार्यों

के लोकार्पण-शिलान्यास के बाद मंदिर में रात्रि विश्राम किया. शनिवार सुबह दर्शन-पूजन के बाद मंदिर में आये श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया. सीएम ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा व स्वच्छता की समुचित व्यवस्था का भी निर्देश दिया. स्थानीय लोगों, जनप्रतिनिधियों, संतों आदि से मुलाकात भी की. इसके बाद मुख्यमंत्री ने गोंडा के लिए प्रस्थान किया.

दर्शन-पूजन के दौरान महंत मिथिलेश नाथ योगी, कालीबाड़ी गोरखपुर के महंत रविंद्र दास जी, विधायक पलटूराम, कैलाश नारायण शुक्ल आदि भी मौजूद रहे.

टीम इंडिया ने 9 साल बाद जीती एशिया कप ट्रॉफी, पीएम मोदी ने दी बधाई, यह अबतक कुल तीसरी बार है जब भारत जीता है अंडर-18 हाकी एशिया कप

(एजेंसी)।

भारत ने अंडर-18 हॉकी एशिया कप 2026 का खिताब जीत लिया है. शुक्रवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने जापान को 4-1 से हराकर ट्रॉफी जीती. इससे पहले सेमीफाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश पाया था. यह कुल तीसरी बार है जब भारत ने अंडर-18 लेवल पर हॉकी एशिया कप जीता है. इस यादगार जीत पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीम इंडिया को बधाई दी.

जिस तरह सेमीफाइनल में आशीष पूर्ति ने आखिरी क्वार्टर में मैच का पासा पलट कर रख दिया था. फाइनल में भी उन्होंने 3 गोल करते हुए मैच

जिताऊ प्रदर्शन करके दिखाया. मैच के दूसरे मिनट में भी भारत ने 1-0 की बढ़त बना ली थी और तीसरे क्वार्टर के अंत तक टीम इंडिया 4-0 की बढ़त लेकर जीत की ओर बढ़ रही थी.

जापान को चौथे क्वार्टर में चमत्कारी प्रदर्शन करने की जरूरत थी. जापान की तरफ से पूरे मैच में एकमात्र गोल चौथे क्वार्टर में आया, लेकिन यह टीम इंडिया को हराने के लिए काफी नहीं था. इससे पहले भारत 2001 और 2016 में अंडर-18 एशिया कप का खिताब जीत चुका है.

पीएम मोदी ने दी बधाई

भारत की मेंस अंडर-18 हॉकी टीम को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा – हमारे युवा हॉकी खिलाड़ियों की शानदार उपलब्धि. अंडर-18 एशिया कप का खिताब जीतने के लिए पूरी टीम को बधाई. पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम ने बेहतरीन स्किल्स और शानदार टीम वर्क दिखाया, जिसके परिणामस्वरूप फाइनल में भारत को यादगार जीत मिली. यह उपलब्धि दिखाती है कि हॉकी का खेल युवाओं के बीच लोकप्रियता बटोर रहा है. मैं भारतीय टीम को अगली चुनौतियों के लिए शुभकमानाएं देता हूं.

बंगाल में दौड़ेगी बुलेट ट्रेन, दिल्ली से लखनऊ-पटना होते हुए पहुंचेगी सिलीगुड़ी; 6 घंटे में पूरा होगा सफर

(एजेंसी)।

कोलकाता। बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद राज्य और केंद्र के बीच बेहतर समन्वय का असर अब रेलवे परियोजनाओं पर भी दिखने लगा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कोलकाता पहुंचकर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ राज्य सचिवालय नवान्न में महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें राज्य में लंबित विभिन्न रेल परियोजनाओं को तेज गति से पूरा करने और नई योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा हुई।

मैराथन बैठक के बाद संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री व रेल मंत्री ने बंगाल के लिए रेलवे और मेट्रो क्षेत्र में कई बड़ी घोषणाएं कीं। रेल मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार के लगातार असहयोग के कारण राज्य के लोग विकास से वंचित रहे, लेकिन अब केंद्र और राज्य के समन्वय से बंगाल में करीब एक लाख करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाओं पर काम किया जाएगा।

रेल मंत्री ने घोषणा की कि अगले पांच वर्षों में कोलकाता मेट्रो के लिए 60 नई अत्याधुनिक मेट्रो रेक उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे महानगर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और अधिक आधुनिक तथा सुविधाजनक बनेगी।

रेल मंत्री ने साथ ही कहा कि इस बार के आम बजट में दिल्ली से लखनऊ व पटना होते हुए उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी तक प्रस्तावित नए बुलेट ट्रेन कारिडोर पर भी तीव्र गति से काम होगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद दिल्ली से सिलीगुड़ी के बीच बुलेट ट्रेन से मात्र छह घंटे में सफर तय होगा।

यह परियोजना उत्तर बंगाल को देश की राजधानी से तेज गति वाले रेल नेटवर्क के जरिए जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। रेल मंत्री ने कहा कि बंगाल में रेलवे के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है और सभी परियोजनाओं को तेज रफ्तार से आगे बढ़ाया जाएगा।

रेलवे परियोजनाओं के लिए

आवश्यक भूमि राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी : शुभेंदु

इस दौरान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी पूर्ववर्ती तृणमूल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र और राज्य के बीच टकराव की राजनीति के कारण बंगाल की अनेक रेल परियोजनाएं वर्षों तक अटकी रहीं। अब डबल इंजन सरकार के सहयोग से राज्य के लोगों को विकास का पूरा लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य की 61 रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है और बंगाल में रेलवे के व्यापक विस्तार के लिए करीब एक लाख करोड़ रुपये के विकास कार्य किए जाएंगे।

उन्होंने आश्वासन दिया कि रेलवे परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में बंगाल का हर जिला रेलवे नेटवर्क से और अधिक मजबूती से जुड़ जाएगा तथा विकास कार्यों में तेजी आएगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कभी रेलवे विकास में बंगाल के साथ भेदभाव नहीं किया, लेकिन पूर्व सरकार के असहयोग के कारण राज्य के करोड़ों लोग विकास से वंचित रहे।

बैठक में राज्य के सभी सांसदों व विधायकों के साथ रेलवे के शीर्ष अधिकारी भी रहे मौजूद

बंगाल में पूर्ववर्ती तृणमूल सरकार के दौरान वर्षों से अटकी विभिन्न रेल परियोजनाओं को गति देने के उद्देश्य से रेल मंत्री व मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोजित इस उच्चस्तरीय समन्वय बैठक में राज्य के सभी सांसदों और विधायकों के अलावा पूर्व रेलवे, दक्षिण-पूर्व रेलवे, नार्थ फ्रंटियर रेलवे तथा कोलकाता मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधकों (जीएम) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

यह समन्वय बैठक 11 बजे से दो बजे तक तीन घंटे चली। बंगाल में पिछले महीने सत्ता परिवर्तन व नई भाजपा सरकार बनने के बाद रेल मंत्री की मुख्यमंत्री के साथ यह पहली बैठक थी।

बंगाल के लिए अन्य प्रमुख घोषणाएं

रेल मंत्री ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बंगाल में 102 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास व आधुनिकीकरण किया जाएगा। रेलवे क्रासिंग पर जाम और दुर्घटनाओं को कम करने के लिए बड़े पैमाने पर 538 नए फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण कार्य किए जाएंगे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इस बार के आम बजट में प्रस्तावित डानकुनी-सूरत डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर (पूर्व-पश्चिम मालवाहक गलियारे) के निर्माण से उद्योग और व्यापार को गति मिलेगी।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में बंगाल की कई लंबित रेलवे परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि राज्य में 33 रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के निर्माण, विभिन्न रेल मार्गों पर तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाने तथा अन्य आधारभूत ढांचा परियोजनाओं से जुड़ी बाधाओं को दूर करने पर सहमति बनी है। नवान्न सूत्रों के मुताबिक, इन परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया भी जल्द शुरू हो सकती है।

रेल मंत्री ने कोलकाता में आम आदमी की तरह मेट्रो व आटो में किया सफर

बैठक से पहले सुबह कोलकाता हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सीधे जय हिंद मेट्रो स्टेशन पहुंचे और वहां मेट्रो कर्मचारियों तथा यात्रियों से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने मेट्रो से यात्रा कर नोआपाड़ा स्टेशन तक का सफर तय किया।

नोआपाड़ा पहुंचने के बाद रेल मंत्री ने स्थानीय लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका ध्यान रखते हुए अपने काफिले का उपयोग

पाकिस्तान के एक क्रूर फैसले से सुलगा पाकिस्तान के कब्जे वाला पीओके! सड़कों पर उतरी लाखों की भीड़, हालात बेकाबू

(एजेंसी)।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान समर्थित प्रशासन ने जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JKJAAC) पर बैन लगाते हुए उसे आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। इस फैसले के बाद पूरे इलाके में गुस्सा फैल गया है। संगठन के नेताओं पर कथित हमले और एक सदस्य की मौत ने लोगों की नाराजगी को और बढ़ा दिया है।

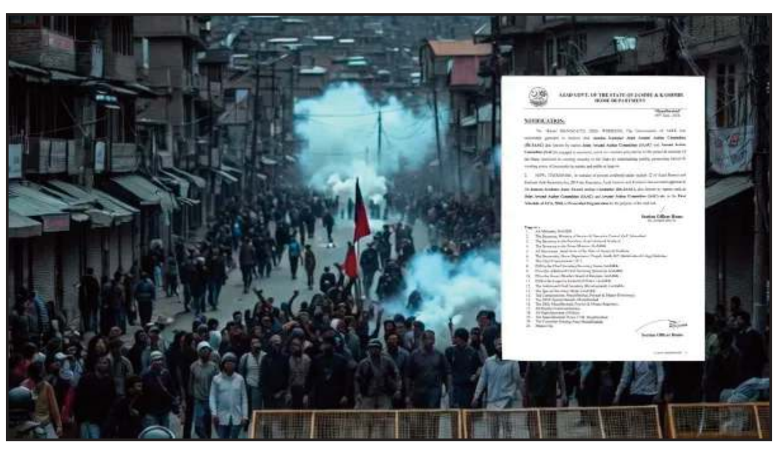

स्थानीय लोग इसे अपने अधिकारों की आवाज दबाने की कोशिश बता रहे हैं। बढ़ते विरोध को देखते हुए प्रशासन ने इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं और लोगों को यात्रा से बचने की सलाह दी है।

JKJAAC पर बैन से बढ़ा विवाद

पाकिस्तान समर्थित प्रशासन ने जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर प्रतिबंध लगाकर बड़ा कदम उठाया है। यह संगठन पिछले कई महीनों से लोगों के सामाजिक और आर्थिक मुद्दों को लेकर आंदोलन चला रहा था। बैन के बाद स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। कई लोगों का कहना है कि सरकार आंदोलन को रोकने के लिए सख्त कदम उठा रही है। इस फैसले ने पूरे PoK में राजनीतिक माहौल को और ज्यादा गर्म कर दिया है।

नेताओं पर हमले के आरोप

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैन के बाद संगठन के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर देर रात कार्रवाई की गई। संगठन के नेता उमर नजीर कश्मीरी के घायल होने की खबर सामने आई है। वहीं एक सदस्य की मौत और कई लोगों के घायल होने का भी दावा किया गया है। स्थानीय संगठनों का आरोप है कि यह कार्रवाई प्रस्तावित विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए की गई। हालांकि प्रशासन की तरफ से इन आरोपों पर विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

जनता लंबे समय से कर रही थी विरोध

अवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में PoK के लोग कई महीनों से महंगाई, बिजली संकट और अन्य बुनियादी समस्याओं को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। आंदोलन में शामिल लोगों का कहना है कि क्षेत्र के संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन स्थानीय जनता को उसका लाभ नहीं मिलता। प्रदर्शनकारी बेहतर सुविधाओं, रोजगार और जीवन स्तर में सुधार की मांग कर रहे थे। यही वजह है कि संगठन को क्षेत्र में काफी जनसमर्थन मिल रहा था।

इंटरनेट बंद, संपर्क पर असर

बढ़ते तनाव और संभावित प्रदर्शनों को देखते हुए प्रशासन ने कई इलाकों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। इंटरनेट बंद होने से लोगों के बीच संपर्क और सूचना का आदान-प्रदान प्रभावित हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे उनकी आवाज बाहर तक पहुंचने में मुश्किल हो रही है। दूसरी तरफ प्रशासन का मानना है कि यह कदम कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी है। इंटरनेट बंदी के कारण व्यापार और दैनिक कामकाज पर भी असर पड़ रहा है।

ट्रैवल एडवाइजरी से बढ़ी चिंता

स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने 5 जून से 20 जून के बीच ढङ्खङ की यात्रा से बचने की सलाह जारी की है। अधिकारियों को आशंका है कि आने वाले दिनों में विरोध प्रदर्शन और तेज हो सकते हैं। ट्रैवल एडवाइजरी के बाद पर्यटकों और स्थानीय कारोबारियों में चिंता बढ़ गई है। जानकारों का मानना है कि अगर सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत नहीं हुई तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। फिलहाल पूरे क्षेत्र में तनाव और अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है।

'एक नंबर के झूठे हैं खान सर', ना सस्ती पढ़ाई-ना बजट में इलाज, छात्राओं ने खोली एक-एक फर्जी दावे की पोल!

(एजेंसी)।

पटना में खान सर को लेकर चल रहा विवाद अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। कोचिंग सेंटर में हुए हंगामे, फायरिंग मामले और पुलिस कार्रवाई के बीच सोशल मीडिया पर एक छात्रा का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में छात्रा ने खान सर की कोचिंग व्यवस्था और उनसे जुड़े अस्पताल को लेकर कई दावे किए हैं।

छात्राओं का कहना है कि जिस तरह खान सर के कोचिंग में सस्ती पढ़ाई का दावा किया जाता है और उनके अस्पताल में कम खर्च में इलाज का प्रचार किया जाता है, जमीन पर तस्वीर उससे अलग दिखाई देती है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है। एक तरफ कुछ लोग छात्रा के आरोपों को गंभीर बता रहे हैं, तो दूसरी तरफ खान सर के समर्थक इन दावों को गलत बता रहे हैं। इस बीच वीडियो ने पहले से चल रहे विवाद को और ज्यादा चर्चा में ला दिया है।

अस्पताल की फीस पर सवाल

वायरल वीडियो में छात्रा ने दावा किया कि अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की फीस को लेकर लोगों को भ्रमित किया जाता है। उसके अनुसार बाहर बहुत कम शुल्क दिखाया जाता है, लेकिन जांच कराने पहुंचे लोगों से बाद में कहीं ज्यादा पैसे लिए जाते हैं। छात्रा के अनुसार, "अस्पताल के बाहर अल्ट्रासाउंड की फीस 21 रुपये बताई जाती है, लेकिन अंदर जाने के बाद मरीजों से करीब 250 रुपये तक लिए जाते हैं।"

छात्रा ने आरोप लगाया कि अस्पताल गरीबों के लिए होने का दावा करता है, लेकिन वहां आने वाले कई जरूरतमंद लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। उसका कहना है कि मरीजों की समस्याओं पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता, जितना प्रचार में दिखाया जाता है।

कोचिंग को लेकर भी लगाए आरोप

एक अन्य छात्रा ने कोचिंग सेंटर की व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उसने दावा किया कि पढ़ाई से ज्यादा प्रचार और ब्रांडिंग पर ध्यान दिया जाता है। छात्रा के मुताबिक कई बार क्लास में ऐसी बातें ज्यादा होती हैं जिनका परीक्षा की तैयारी से सीधा संबंध नहीं होता। उसका यह भी कहना है कि कोचिंग की फीस को लेकर जो छवि बनाई जाती है, वास्तविक खर्च कई छात्रों को ज्यादा महसूस होता है।

छात्रा ज्ञान बिंदु कोचिंग की बताई जा रही है। वीडियो में छात्रा को ये कहते हुए साफ सुना जा सकता है, "सब झूठ है, बिलकुल झूठ है, कम में नहीं पढ़ाई होती है, यहां से कम फीस नहीं है।" छात्रा आगे बताती है कि जब वह पटना आई थी तो उसकी भी इच्छा थी कि वो खान ग्लोबल स्टडीज में एडमिशन ले, पर खान सर के दावों के मुताबिक ना तो वहां छात्राओं को कोई छूट मिलती है, ना ही वहां की फीस कम है।

सस्ती पढ़ाई की पहचान से बने थे चर्चा में

खान सर ने पिछले कुछ वर्षों में कम फीस में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने का दावा करते हुए बड़ी पहचान बनाई है। खासकर वढरउ, इढरउ, ररउ और अन्य सरकारी नौकरी की परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के बीच उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी थी।

इसी तरह कम खर्च में इलाज उपलब्ध कराने की बात भी समय-समय पर उनकी तरफ से कही जाती रही है। यही कारण है कि छात्रा के आरोपों ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

पहले से गरम है मामला

यह वीडियो ऐसे समय सामने आया है जब खान सर पहले से कई विवादों को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में पटना स्थित कोचिंग परिसर में हुए हंगामे और कथित फायरिंग मामले की जांच चल रही है। इस मामले में पुलिस ने कुछ सुरक्षाकर्मियों को गिरफ्तार किया था।

पुलिस जांच के दौरान सामने आए बयानों के आधार पर खान सर के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया। इसके बाद से राजनीतिक दलों, छात्रों और सोशल मीडिया यूजर्स के बीच इस मुद्दे पर लगातार चर्चा जारी है।

सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की राय बंटी हुई नजर आ रही है। कुछ लोग छात्रा के दावों की जांच की मांग कर रहे हैं, जबकि कई लोग खान सर के समर्थन में भी सामने आए हैं। फिलहाल छात्रा के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। वहीं वीडियो में लगाए गए दावों पर खान सर या उनकी संस्था की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

लखनऊ केजीएमयू के हार्ट सेंटर में बड़ा खेल? एक-दो नहीं, मरीजों को लगा दिए 5-5 स्टेंट; आयुष्मान फंड के दुरुपयोग की आशंका

(एजेंसी)।

लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) में एक-दो नहीं, बल्कि एक दर्जन से अधिक मरीजों को 5-5 स्टेंट (Stent) लगाए जाने का सनसनीखेज खुलासा हुआ है. इस पूरे मामले में 'आयुष्मान भारत योजना' के तहत मिलने वाले सरकारी फंड के दुरुपयोग की भारी आशंका जताई जा रही है, जिसके बाद प्रशासन ने कड़ी जांच बैठा दी है.

राजधानी लखनऊ के केजीएमयू में मरीजों को 5-5 स्टेंट लगाए जाने

के मामले सामने आए जिसमें एक दर्जन से ऊपर मरीजों को यह स्टंट लगाए गए. इस पूरे मामले पर आयुष्मान भारत योजना में संभावित गड़बड़ी की आशंका के बीच जांच तेज कर दी गई है.

केजीएमयू के लारी कार्डियोलॉजी विभाग में स्टेंट लगाने से जुड़े मामलों की जांच कर रही पांच सदस्यीय समिति ने विभाग से पिछले एक साल के एंजियोप्लास्टी और स्टेंट प्रत्यारोपण का पूरा रिकॉर्ड मांगा है.

जांच में सामने आया है कि कई मरीजों को बार-बार भर्ती कर एक से अधिक बार स्टेंट लगाए गए. वहीं मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री और उपचार संबंधी दस्तावेजों में भी गंभीर खामियां मिली हैं, क्योंकि आयुष्मान कार्ड के जरिए उनको स्टंट लगाए गए और भुगतान हुआ.

समिति अब आयुष्मान भारत समेत सरकारी योजनाओं के तहत हुए इलाज, स्टेंट लगाने के नियम, बजट और प्रक्रिया की भी पड़ताल करेगी. रिकॉर्ड मिलने के बाद मरीजों की फाइलों, एंजियोग्राफी रिपोर्ट और एंजियोप्लास्टी दस्तावेजों की गहन जांच होगी.

नौजवानों के साथ हैं, देशद्रोहियों के नहीं,' सीजेपी के प्रदर्शन में हिट स्प्रे लेकर घुसा शख्स, मचा हड़कंप

(एजेंसी)।

दिल्ली का जंतर-मंतर आज एक बार फिर राजनीतिक अखाड़ा बन गया। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के बैनर तले छात्र हितों और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन चल रहा है। सुरक्षा के इतने कड़े इंतजाम हैं कि पूरी नई दिल्ली को 12 जोन में बांट दिया गया है, लेकिन इसी बीच एक ऐसी घटना घटी जिसने सबका ध्यान खींच लिया।

जंतर-मंतर पर चल रहे इस हाई-वोल्टेज प्रदर्शन के बीच वनइंडिया के सीनियर रिपोर्टर सिद्धार्थ पुरोहित ने उस प्रदर्शनकारी से बातचीत की, जो हाथ में हिट स्प्रे लेकर बीच प्रदर्शन में घुस आया था। बातचीत के दौरान शख्स ने उखढ और उसके संस्थापक अभिजीत दीपके के खिलाफ जमकर अपनी नाराजगी जाहिर की।

जब मौजूद रिपोर्टर ने उससे पूछा कि 'आप यहां हिट (HIT) लेकर क्यों आए हैं?' शख्स (इरशाद) ने बेहद आक्रामक लहजे में जवाब दिया- 'हम यहां हिट से कॉकरोच मारने आए हैं। जब हम कॉकरोच को अपनी रसोई में पैदा नहीं होने देते, तो देश में कैसे पैदा हो जाने दें!'

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

अयातुल्लाह अली खामेनेई अंतिम संस्कार और श्रद्धांजलि कार्यक्रम

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के लिए तीन दिन के राजकीय अंतिम संस्कार का ऐलान किया गया है। तीन महीने बाद अयातुल्लाह अली खामेनेई को दी जाएगी अंतिम विदाई, मशहद में होंगे सुपुर्द-ए-खाक। ईरान सरकार ने पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के लिए तीन दिन के राजकीय अंतिम संस्कार का ऐलान किया है। फिलहाल तारीख घोषित नहीं हुई है। अंतिम संस्कार और श्रद्धांजलि कार्यक्रम इस्लामिक कैलेंडर के आखिरी महीने जिलहिज्जा के अंत में हो सकता है। यानी 15 जून के आसपास। अधिकारियों ने बताया कि खामेनेई की इच्छा के अनुसार उन्हें मशहद के इमाम रजा दरगाह में दफनाया जाएगा। तेहरान, कोम और मशहद में अंतिम कार्यक्रम होंगे। इन शहरों में बड़े पैमाने पर शोभा यात्राएं और श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की जाएंगी। ईरान के सरकारी टीवी चैनल आईआरआईबी से बातचीत में तवाकोलीजादेह ने कहा कि तीनों शहरों में करोड़ों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। तेहरान के डिप्टी मेयर मोहम्मद अमीन तवाकोली-जादेह ने कहा कि ईरान के कई अन्य प्रांत भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित करना चाहते हैं। बताया जा रहा है कि तेहरान में होने वाला मुख्य कार्यक्रम कम से कम 24 घंटे चलेगा। सिर्फ तेहरान में ही 1.5 करोड़ से दो करोड़ लोग अपने शहीद सुप्रीम लीडर को अंतिम श्रद्धांजलि देने पहुंच सकते हैं। इतनी बड़ी भीड़ को संभालने के लिए प्रशासन सुरक्षा, यातायात और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं की तैयारी कर रहा है। यह फैसला अयातुल्लाह अली खामेनेई की शहादत के 3 महीने बाद लिया गया है। आमतौर पर इस्लामी परम्परा के अनुसार किसी व्यक्ति का अंतिम संस्कार मौत के कुछ दिनों के भीतर कर दिया जाता है, लेकिन ईरानी अधिकारियों ने पहले इस कार्यक्रम को टाल दिया था। पहले क्यों नहीं हुआ अंतिम संस्कार? अयातुल्लाह अली खामेनेई 23 फरवरी को अमेरिकी-इजरायली हमले में मारे गए थे। उनकी शहादत के बाद मार्च में ईरान के अधिकारियों ने बयान दिया था कि भारी भीड़ और व्यवस्थाओं को लेकर आ रही चुनौतियों की वजह से अंतिम संस्कार तुरंत करना संभव नहीं है। ईरान की सरकारी एजेंसी ईरना के मुताबिक राजकीय अंतिम संस्कार जून के मध्य में आयोजित किया जाएगा। हालांकि इसकी सटीक तारीख और समय की अभी अधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। अंतिम संस्कार बहुत बड़े स्तर पर होगा और इसमें ईरान के साथ-साथ कई मुस्लिम देशों से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भारत, बांग्लादेश से भी बड़ी संख्या में लोगों के मशहद पहुंचने की उम्मीद है। अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में करोड़ों लोग एक साथ इकट्ठे होंगे। यह भी खतरा है कि मौके का फायदा उठाकर कहीं इजरायल कोई उल्टी-सीधी हरकत न कर दे। अमेरिका भी इस मौके का फायदा उठा सकता है। ऊपर वाला ऐसा होने से बचाए। उम्मीद करते हैं कि इस पवित्र मौके का इजरायल-अमेरिका कोई नाजायज फायदा नहीं उठाएगा और अयातुल्लाह अली खामेनेई की अंतिम विदाई में कोई बाधा नहीं डालेगा। खामेनेई 86 साल के थे। वह तीन दशक से ज्यादा समय तक ईरान के सुप्रीम लीडर रहे।

सहारनपुर मंडल के दौरे बार-बार कर रहे योगी आदित्यनाथ, आखिर क्या है वजह?

यहां बीजेपी की राह क्यों मुश्किल? भाजपा की जीत के लिए हिंदू मतदाताओं के बीच ध्रुवीकरण जीत की अनिवार्य शर्त है। भाजपा नेतृत्व के लिए जातीय संतुलन एवं समन्वय बनाए रखना भी आवश्यक है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बीते सोमवार (1 जून) को बिजनौर और सहारनपुर में थे। योगी इससे पहले भी कई बार सहारनपुर मंडल के दौरे कर चुके हैं। दरअसल सियासी लिहाज से सहारनपुर मंडल की डेमोग्राफी जातीय नेताओं के अनुकूल नहीं होने से भाजपा में जीत का पूरा दारोमदार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर ही निर्भर करता है। कहीं न कहीं इसके पीछे 2027 के विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत को सुनिश्चित करना भी बड़ा मकसद है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बीते सोमवार को बिजनौर में चुनावी सभा को संबोधित करने के बाद तीसरे पहर में सहारनपुर के मां शाकुम्बरी देवी स्थल का निरीक्षण किया। यहां कुछ दिन पहले आई आपदा से दो महिलाओं की मौत हो गई थी और सैकड़ों दुकानें और वाहन आदि बह गए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मां शाकुम्बरी देवी से भूरा महादेव से लेकर मां शाकुम्बरी देवी मंदिर तक ऊंचा और बड़ा गलियारा बनवा रहे हैं। जिससे श्रद्धालु देवी तक बिना किसी बाधा के दर्शनों के लिए जा सकें। मुख्यमंत्री का सहारनपुर जनपद का यह तीसरा-चौथा हालिया दौरा है।

सहारनपुर मंडल की हर विधानसभा मिश्रित आबादी क्षेत्र

पूर्व आईपीएस एवं पूर्व कुलपति डा. अशोक कुमार राघव कहते हैं कि उन्होंने सहारनपुर मंडल की डेमोग्राफी (जनसांख्यिकी) के अध्ययन में यह पाया है कि सहारनपुर मंडल में किसी भी एक स्थान पर किसी एक विशेष जाति का बाहुल्य नहीं है। हर जाति के छोटे-छोटे पाकेट्स हैं। इससे इस मंडल में सियासी रूप से किसी भी व्यक्ति के लिए जातीय नेता बनने का अवसर मौजूद नहीं है।

सहारनपुर मंडल के हर विधानसभा क्षेत्र में मिश्रित आबादी है। इसलिए, चुनाव में वही व्यक्ति जीत सकता है जिसे विभिन्न जातियों का सामूहिक रूप से समर्थन प्राप्त हो। ये स्थिति भाजपा के लिए मुश्किलें पैदा करने वाली है। सहारनपुर, शामली और मुजफ्फरनगर तीनों जनपदों में मुस्लिम मतदाता बहुतायत में हैं। दूसरा स्थान दलित मतदाताओं का है। कोई भी जातीय गठबंधन मुसलमानों के साथ मिलकर चुनाव जीतने की गारंटी है।

बीजेपी की जीत के लिए हिंदू मतदाताओं का ध्रुवीकरण जरूरी

भाजपा की जीत के लिए हिंदू मतदाताओं के बीच ध्रुवीकरण जीत की अनिवार्य शर्त है। भाजपा नेतृत्व के लिए जातीय संतुलन एवं समन्वय बनाए रखना भी आवश्यक है। 2024 के लोकसभा चुनाव में राजपूतों की छोटी सी नाराजगी भाजपा पर भारी पड़ी थी। जिससे भाजपा तीनों सीटों पर पराजित हो गई थी। सहारनपुर में कांग्रेस के इमरान मसूद, कैराना में सपा की इकरा हसन और मुजफ्फरनगर सीट पर सपा के हरेंद्र मलिक आराम से चुनाव जीत गए थे।

सहारनपुर जनपद में भाजपा में उसके दो विधायक कीरत सिंह और मुकेश चौधरी गुर्जर हैं। सहारनपुर सीट पर पंजाबी समाज के राजीव गुंबर हैं और देवबंद सीट पर राजपूत बिरादरी के बृजेश सिंह हैं। रामपुर मनिहारान में अनुसूचित जाति के देवेंद्र निम हैं। मुस्लिम बहुल बेहट, (जिसमें मां शाकुम्बरी क्षेत्र भी शामिल हैं) से सपा के उमर अली खान विधायक हैं। सहारनपुर देहात से सपा के आशु मलिक विधायक हैं।

सहारनपुर मंडल में बीजेपी के पास मजबूत दलित नेता नहीं

सहारनपुर मंडल में भाजपा के पास अपना खुद का कोई दलित मजबूत नेता नहीं है। मुजफ्फरनगर की पुरकाजी सुरक्षित सीट का प्रतिनिधित्व रालोद के दलित नेता अनिल कुमार करते हैं। सहारनपुर में दलितों पर प्रभाव रखने वाले बसपा से आए दो नेता रविंद्र कुमार मोल्हू रामपुर क्षेत्र और जगपाल सिंह सहारनपुर देहात भाजपा में हैं।

पूरे सहारनपुर जनपद में भाजपा के पास ना कोई राजपूत नेता है, ना ही गुर्जर नेता है अलबत्ता बसपा से आए सैनी बिरादरी के डा. धर्म सिंह सैनी जरूर सहारनपुर जनपद में सैनियों पर अपना प्रभाव रखते हैं। इसी तरह पूरे मंडल में भाजपा के पास ना तो कोई जाटों का, ना ही बनियों का बड़ा नेता है।

सपा विधायक संजय गर्ग का बनियों पर अच्छा प्रभाव

2024 में सपा से आए सहारनपुर के तीन बार के विधायक संजय गर्ग का बनियों पर अच्छा खास प्रभाव माना जाता है। मुजफ्फरनगर के राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल वैश्य बिरादरी के जरूर हैं लेकिन अपनी बिरादरी के नेता नहीं माने जाते हैं। सहारनपुर मंडल में आने वाले चुनाव में भाजपा की डगर मुश्किलों भरी रहने वाली है।

थाना भवन के पूर्व विधायक ठाकुर सुरेश राणा को जरूर राजपूतों में वो सम्मान हासिल है जो किसी अन्य राजपूत नेता को नहीं है। सहारनपुर मंडल में भाजपा के अकेले राजपूत विधायक देवबंद के बृजेश सिंह हैं, जिनका अपना कोई निजी जनाधार नहीं है।

सहारनपुर जनपद में कभी ठाकुर फूल सिंह, अजीत प्रसाद जैन और चौधरी यशपाल गुर्जर का विशेष प्रभाव और दबदबा माना जाता था। मुजफ्फरनगर जनपद की जो डेमोग्राफी है उसके चलते ही 1971 में चौधरी चरण सिंह और 2019 में चौधरी अजीत सिंह साधारण लोगों से चुनाव हार गए थे।

बीजेपी के लिए चुनौतीपूर्ण होगा विधानसभा चुनाव 2027

मुजफ्फरनगर जनपद में भाजपा के पास पांच में से केवल एक सीट मुजफ्फरनगर ही है। शामली जिले में पिछली बार उसका खाता नहीं खुला था। हालांकि सहारनपुर में भाजपा के पास चार विधायक हैं। लेकिन लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा सात में से केवल देवबंद सीट पर ही बढ़त हासिल कर पाई थी। उसका

लखनऊ के जीशान अंसारी इंडिया ए में शामिल, 25 जून को श्रीलंका ए के खिलाफ उतरेंगे

लखनऊ, वर्ष 2016 में अंडर-19 विश्वकप में भारतीय टीम में जगह बनाने वाले जीशान को वर्ष 2017 में यूपी के लिए रेलवे के खिलाफ पहला प्रथम श्रेणी मैच खेलने का मौका मिला। नौ साल के लंबे कॅरिअर में जीशान ने पांच प्रथम श्रेणी मैच खेले।

लखनऊ शहर के स्टार लेग स्पिनर जीशान अंसारी को भारत ए टीम में खेलने का मौका मिला है। गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में 25 से 28 जून और दो से पांच जुलाई तक श्रीलंका ए के खिलाफ होने वाले मैच में जीशान भारत ए टीम से खेलेंगे। टीम के कप्तान आगरा (यूपी) के विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को बनाया गया है।

वर्ष 2016 में अंडर-19 विश्वकप में भारतीय टीम में जगह बनाने वाले जीशान को वर्ष 2017 में यूपी के लिए रेलवे के खिलाफ पहला प्रथम श्रेणी मैच खेलने का मौका मिला। नौ साल के लंबे कॅरिअर में जीशान ने पांच प्रथम श्रेणी मैच खेले। इसके बाद कई मैचों में शानदार प्रदर्शन के बाद विजय हजारे ट्रॉफी के 2025-26 संस्करण में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ मैचों में 21 विकेट लिए। अब श्रीलंका ए के खिलाफ चार दिवसीय मुकाबलों में जीशान का चयन बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

जीशान की मेहनत को मिला सुनहरा फलक

भले ही उत्तर प्रदेश की चयन समिति को लखनऊ के स्टार लेग स्पिनर जीशान अंसारी की क्षमता पर भरोसा न हो, लेकिन भारतीय क्रिकेट के चयनकताओं ने उनपर विश्वास जताते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट फलक पर छाने का सुनहरा मौका दे दिया है। जनवरी 2020 में तमिलनाडु के खिलाफ उत्तर प्रदेश से आखिरी प्रथम श्रेणी मैच खेलने वाले जीशान अंसारी के राष्ट्रीय टीम में शामिल किए जाने से यूपीसीए की चयन में पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। हाल ही में उन्हें शुभमन गिल के नेतृत्व वाले भारतीय टीम मैनेजमेंट की ओर से नेट गेंदबाज के रूप में भारतीय टीम में शामिल किया गया था।

तमिल सिनेमा के सुपरस्टार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय ने लौटाए किसके पैसे? 'जन नायकन' पर फिर छाए संकट के बादल, क्यों परेशान हुए सुपरस्टार?

(जीएनएस)।

तमिल सिनेमा के सुपरस्टार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायकन' (खल्लं टंटॅल्ल) लंबे समय से सुर्खियों में बनी हुई है। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं लेकिन रिलीज को लेकर जारी अनिश्चितता ने दर्शकों की उत्सुकता के साथ-साथ उनकी निराशा भी बढ़ा दी है।

रिलीज से पहले बढ़ीं जन नायकन की मुश्किलें

हालांकि फिल्म 'जन नायकन' को सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिल चुकी है लेकिन इसके बावजूद रिलीज डेट का ऐलान अब तक नहीं किया गया है। इसी बीच फिल्म से जुड़ा एक ऐसा फैसला सामने आया है जिसने इंडस्ट्री में नई चर्चा छेड़ दी है।

सीएम थलपति विजय का बड़ा फैसला, डिस्ट्रीब्यूटर्स को मिलेगा रिफंड

-फिल्म की रिलीज में लगातार हो रही देरी के बीच सीएम और एक्टर थलपति विजय ने एक अहम कदम उठाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने फिल्म के निर्माण से जुड़ी कंपनी को निर्देश दिया है कि डिस्ट्रीब्यूटर्स के निवेश को अनिश्चित समय तक रोके रखना उचित नहीं है।

-इसी वजह से फिल्म 'जन नायकन' से जुड़े सभी डिस्ट्रीब्यूटर्स को उनका पैसा वापस लौटाने की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला लिया गया है। इस कदम को इंडस्ट्री में जिम्मेदार और पारदर्शी निर्णय के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि लंबे समय से रिलीज टलने के कारण डिस्ट्रीब्यूटर्स के निवेश पर भी असर पड़ रहा था।

आखिर क्यों अटकी हुई है फिल्म 'जन नायकन'?

-'जन नायकन' को पहले साल 2026 की शुरूआत में सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बनाई गई थी। हालांकि सेंसर संबंधी प्रक्रियाओं और कानूनी अड़चनों के चलते फिल्म समय पर रिलीज नहीं हो सकी।

-मामला इतना बढ़ गया था कि इसे लेकर कानूनी स्तर पर भी चचाएं शुरू हो गई थीं। बाद में सेंसर बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद उम्मीद जगी थी कि फिल्म जल्द सिनेमाघरों में पहुंचेगी लेकिन महीनों बीत जाने के बावजूद मेकर्स ने नई रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया।

HD प्रिंट लीक होने से बढ़ी परेशानी

-फिल्म की मुश्किलें केवल रिलीज में देरी तक सीमित नहीं रहीं। कुछ समय पहले फिल्म का हाई-क्वालिटी प्रिंट इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लीक होने की खबरों ने मेकर्स को बड़ा झटका दिया था।

-इस घटना के बाद निमार्ताओं ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच

शुरू करवाई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस मामले में कई लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई और कुछ गिरफ्तारियां भी हुईं। फिल्म की सुरक्षा और रिलीज रणनीति को लेकर इसके बाद अतिरिक्त सतर्कता बरती गई।

दमदार स्टारकास्ट से सजी है फिल्म 'जन नायकन'

-आपको बता दें कि फिल्म 'जन नायकन' को थलपति विजय के करियर की सबसे चर्चित फिल्मों में गिना जा रहा है। फिल्म में उनके साथ पूजा हेगड़े, ममिता बैजू, बॉबी देओल और प्रकाश राज जैसे कई पॉपुलर कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं।

-फिल्म की स्टारकास्ट और थलपति विजय की लोकप्रियता को देखते हुए इसे पहले से ही बॉक्स ऑफिस की बड़ी फिल्मों में शामिल माना जा रहा है। यही वजह है कि रिलीज में हो रही लगातार देरी फैंस के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

फैंस के सब्र का इम्तिहान जारी

-थलपति विजय के फैंस लंबे समय से 'जन नायकन' को बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी लगातार फिल्म की रिलीज को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। सेंसर क्लियरेंस मिलने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि जल्द ही नई रिलीज डेट सामने आएगी लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। ऐसे में फैंस की नजरें अब मेकर्स और प्रोडक्शन हाउस की अगली घोषणा पर टिकी हुई हैं।

-'जन नायकन' इस समय उन फिल्मों में शामिल हो गई है जिनकी चर्चा रिलीज से ज्यादा उसकी देरी को लेकर हो रही है। सेंसर बोर्ड की मंजूरी, कानूनी विवाद, एचडी प्रिंट लीक और अब डिस्ट्रीब्यूटर्स को रिफंड लौटाने का फैसला, इन सभी घटनाओं ने फिल्म को लगातार सुर्खियों में बनाए रखा है। अब देखना दिलचस्प होगा कि थलपति विजय की यह बहुप्रतीक्षित फिल्म आखिरकार कब सिनेमाघरों में दस्तक देती है और दर्शकों की उम्मीदों पर कितना खरा उतरती है।

अजीत अगरकर ने बता दिया असली सच, कैसे वैभव सूर्यवंशी का हुआ सेलेक्शन? जो कहा वो कर देगा हैरान

15 साल के वैभव सूर्यवंशी को टीम इंडिया में जगह मिल गई है. उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है. इसके अलावा एशियन गेम्स की टीम के लिए भी उनका चयन हुआ है.

(जीएनएस)।

आईपीएल में तूफानी बैटिंग करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को टीम इंडिया में जगह मिल गई है. उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है. इसके अलावा एशियन गेम्स की टीम के लिए भी उनका चयन हुआ है. शनिवार को भारतीय टी20 टीम की घोषणा के बाद बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा कि आईपीएल 2026 में अपने दमदार प्रदर्शन से वैभव सूर्यवंशी ने खुद को टीम में चुना है.

आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतने वाले वैभव सूर्यवंशी को लेकर चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हमने देखा है कि वह क्या कर सकता है. आईपीएल में प्लेऑफ तक उसने अकेले ही राजस्थान रॉयल्स को जीत दिलाई. एक युवा खिलाड़ी के लिए मुझे इस बारे में बात करने की जरूरत नहीं है कि वह कितनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है या कितना अच्छा खेल रहा है. यह सिर्फ इस सीजन की बात नहीं है. उसने पिछले सीजन में साफ तौर पर शानदार शुरूआत की थी."

उन्होंने आगे कहा, "वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल जैसे दबाव वाले एक बड़े मंच पर दिखाया है कि वह क्या कर सकते हैं और कितने विस्फोटक हो सकते हैं. हमें उनसे बहुत उम्मीदें हैं. मुझे लगता है कि उन्होंने सच में खुद को चुना है. हम सभी देख सकते हैं कि उनमें किस तरह की प्रतिभा है. हमें उम्मीद है कि जब उन्हें देश के लिए खेलने का मौका मिलेगा, तो वह वैसी ही काबिलियत दिखाएंगे जैसी उन्होंने दिखाई है. जाहिर है, जब आप अपने देश के लिए खेलते हैं तो मुश्किल चुनौती होती है, लेकिन उन्होंने बहुत अच्छा टेम्परामेंट दिखाया है. उसने हमें उसे चुनने को मजबूर किया है."

मुख्य चयनकर्ता ने कहा, "मुझे लगता है कि वह टी20 क्रिकेट में जो कर रहा है, उससे हम बहुत उत्साहित हैं. हम चयनकर्ता या बीसीसीआई और कोचिंग स्टाफ के तौर पर उसे सही दिशा में आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं."

युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की हुई टीम इंडिया में एंट्री, किसका कटा पत्ता? सेलेक्टर्स ने आखिरकार ले लिया बड़ा फैसला

(जीएनएस)।

आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स (RR) के लिए खेलते हुए अपने बल्ले से कोहराम मचाने वाले 15 वर्षीय युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी इस समय भारतीय क्रिकेट जगत में सबसे बड़ा चर्चा का विषय बने हुए हैं। टूर्नामेंट में रिकॉर्ड तोड़ 776 रन बनाने, 237 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करने और 72 छक्के उड़ाकर ऑरेंज कैप अपने नाम करने वाले वैभव ने सीनियर नेशनल टीम का दरवाजा खटखटाया है। शनिवार को वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टी-20 टीम में शामिल कर लिया गया।

चयनकताओं ने दी खुशखबरी

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए उनके नाम पर गंभीरता से विचार किया जा रहा था। लेकिन उनकी एंट्री ने चयनकताओं के सामने एक बड़ा चयन संकट खड़ा कर दिया। वैभव के अविश्वसनीय प्रदर्शन के बावजूद उन्हें प्लेइंग-11 या मुख्य स्क्वाड में जगह देना सेलेक्टर्स के लिए आसान नहीं था। इसके पीछे टीम कॉम्बिनेशन और भविष्य की योजनाएं मुख्य वजह थी। लेकिन आखिरकार वैभव को टीम में जगह मिल गई।

प्लेइंग इलेवन में कहां फिट होंगे वैभव?

अब भारतीय टीम मैनेजमेंट के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इस समय व्हाइट-बॉल क्रिकेट (टी-20 और वनडे) में भारत का टॉप और मिडिल ऑर्डर पूरी तरह से सेटल है। टी20 फॉर्मेट में भारत के पास पहले से ही स्थापित और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले ओपनर्स और टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज मौजूद हैं। वैभव के आक्रामक अंदाज ने भले ही प्रभावित किया हो, लेकिन मौजूदा सीनियर खिलाड़ियों को अचानक बाहर करना नाइंसाफी होगी। ऐसे में वैभव को शुरूआती कुछ मैचों में प्लेइंग इलेवन से बाहर रहना पड़ सकता है।

वनडे में भी प्रयोग की गुंजाइश कम

वनडे फॉर्मेट की स्थिति भी अलग नहीं है। वहां भी मध्यक्रम में इन-फॉर्म खिलाड़ियों की लंबी कतार है, जिससे नए प्रयोगों के लिए अवसर बेहद सीमित हो जाते हैं। चयन समिति केवल वर्तमान आईपीएल फॉर्म के आधार पर भावुक होकर फैसला नहीं ले रही है, बल्कि उनका ध्यान लंबे समय में आने वाले बड़े-बड़े टूनामेंटों पर है। सेलेक्टर्स की नजरें आगामी आईसीसी (ICC) टूर्नामेंट्स और 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक चक्र पर टिकी हैं।

मैनेजमेंट का मानना है कि वैभव जैसे असाधारण टैलेंट को टीम में कोई अस्थायी स्थान देने के बजाय, उन्हें सही समय और सही पोजीशन पर मौका दिया जाए। जल्दबाजी में टीम में शामिल करने और फिर ड्रॉप करने से युवा खिलाड़ी के आत्मविश्वास पर बुरा असर पड़ सकता है, इसलिए उन्हें थोड़ा इंतजार कराने की रणनीति पर भी विचार चल रहा है।

योगी आदित्यनाथ के विरोध में अब अविमुक्तेश्वरानंद को कश्मीर के मुसलमानों में भी दिखने लगे हैं गोरक्षक?

अविमुक्तेश्वरानंद बार-बार योगी सरकार को निशाने पर लेते हैं और दूसरी तरफ मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों की सराहना करते हैं, तो राजनीतिक जानकारों के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है.

(जीएनएस)।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की गविष्ठि यात्रा को एक महीने से अधिक समय हो चुका है. यात्रा के दौरान अविमुक्तेश्वरानंद लगातार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमलावर हैं, जबकि दूसरी तरफ मुस्लिम प्रतिनिधिमंडलों और मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों की खुलकर सराहना कर रहे हैं. मैनपुरी में दिया गया उनका ताजा बयान इसी वजह से चर्चा के केंद्र में आ गया है. मैनपुरी में अविमुक्तेश्वरानंद ने दावा किया कि कश्मीर के एक बुजुर्ग मुस्लिम ने उनसे मुलाकात कर रणबीर दंड संहिता को दोबारा लागू करवाने की गुहार लगाई थी. उनके अनुसार, जम्मू-कश्मीर में पहले ऐसा कानून था जिसमें गोहत्या पर कठोर सजा का प्रावधान था. उन्होंने कहा कि धारा 370 हटने के बाद वह व्यवस्था समाप्त हो गई और अब कश्मीर में गाय की रक्षा कमजोर हो गई है. अविमुक्तेश्वरानंद ने यह भी कहा कि आज देश का मुसलमान गाय की रक्षा की बात कर रहा है, लेकिन कुछ हिन्दू नेता वह बात नहीं कह पा रहे हैं.

अविमुक्तेश्वरानंद का योगी सरकार पर निशाना

यहीं से पूरी बहस शुरू होती है, क्योंकि उत्तर प्रदेश में गोवंश संरक्षण को लेकर सबसे सख्त कानूनों में से एक लागू है. योगी आदित्यनाथ वर्षों से गोरक्षा और गौसेवा को अपनी राजनीति और सार्वजनिक जीवन का महत्वपूर्ण विषय बताते रहे हैं. ऐसे में जब अविमुक्तेश्वरानंद बार-बार योगी सरकार को निशाने पर लेते हैं और दूसरी तरफ मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों की सराहना करते हैं, तो राजनीतिक जानकारों के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है. मैनपुरी में मुस्लिम प्रतिनिधिमंडल ने उनसे

मुलाकात कर गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग रखी. इस प्रतिनिधिमंडल में कई स्थानीय मुस्लिम चेहरे शामिल थे. अविमुक्तेश्वरानंद ने मंच से उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि वे वह बात कह रहे हैं, जिसे कुछ हिन्दू नेता भी नहीं कह पा रहे. उन्होंने यहां तक कहा कि हिन्दुत्व की असली कसौटी केवल भगवा वस्त्र नहीं, बल्कि गाय को माता मानने की भावना है.

यह पहला मौका नहीं है जब यात्रा में मुस्लिम भागीदारी चर्चा का विषय बनी हो. इससे पहले फतेहपुर, कन्नौज और अन्य जिलों में भी मुस्लिम नेताओं और कार्यकताओं की मौजूदगी को लेकर सवाल उठे थे. कई स्थानों पर मुस्लिम प्रतिनिधियों ने गोरक्षा और राष्ट्रमाता अभियान का समर्थन भी जताया. अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर अचानक यह निकटता क्यों दिखाई दे रही है? क्या यह केवल सामाजिक सद्भाव का मामला है या इसके पीछे कोई व्यापक राजनीतिक संदेश भी छिपा है?

डिंपल यादव ने भी अविमुक्तेश्वरानंद से की मुलाकात

मामला यहीं खत्म नहीं होता. अविमुक्तेश्वरानंद की यात्रा में समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेताओं की सक्रियता भी चर्चा में रही. सपा सांसद डिम्पल यादव ने मैनपुरी और फिर इटावा में अविमुक्तेश्वरानंद से मुलाकात की. इटावा में ही शिवपाल सिंह यादव भी उनसे मिले हैं. यात्रा के कई पड़ावों पर सपा से जुड़े नेताओं की मौजूदगी लगातार दिखाई दी है. यही कारण है कि राजनीतिक हलकों में यह चर्चा बढ़ रही है कि क्या विपक्षी दल इस यात्रा को भाजपा के वैचारिक प्रभाव के मुकाबले एक वैकल्पिक मंच के रूप में देख रहे हैं.

कश्मीर के प्रसंग ने इस बहस को और तेज कर दिया है. धारा 370 हटाना भाजपा और नरेंद्र मोदी सरकार की सबसे बड़ी राजनीतिक उपलब्धियों में गिना जाता है. ऐसे में जब अविमुक्तेश्वरानंद उसी संदर्भ में रणबीर दंड संहिता का उदाहरण देते हैं और बताते हैं कि कश्मीरी मुसलमान उस पुराने कानून को वापस चाहते हैं, तो आलोचक पूछ रहे हैं कि क्या यह केवल गोरक्षा का मुद्दा है या फिर धारा 370 के बाद बने नए राजनीतिक ढांचे पर अप्रत्यक्ष टिप्पणी भी है?

सीएम योगी ने दी 516 करोड़ की सौगात, बोले- ये गलती करने वालों का वर्तमान ही नहीं, भविष्य भी होगा स्वाहा

सीएम योगी की उपद्रवियों को सख्त चेतावनी, अब त्योहारों में रंग में भंग डाला तो भुगतेंगे अंजाम

(जीएनएस)।

गोंडा : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर गोंडा पहुंचे, जहां उन्होंने कर्नलगंज विधानसभा क्षेत्र के चकरौत गांव में 515.6 करोड़ के विकास परियोजनाओं की सौगात दी. सीएम ने कर्नलगंज और कटरा बाजार विधानसभा क्षेत्रों के लिए 262 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया.

इस दौरान सीएम योगी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि अब उत्तर प्रदेश में उत्सवों, पर्व और त्यौहार में कोई व्यवधान नहीं डाल सकता. अगर कोई रंग में भंग डालेगा तो भुगतेगा. उसका वर्तमान तो जाएगा ही भविष्य भी स्वाहा होगा.

सीएम ने कहा कि पहले राम का नाम लेने पर ही प्रतिबंध था. अयोध्या में राम का नाम लेने पर लाठी और गोली मिलती थी. अब तो अयोध्या में रामभक्त ही जाता है, रामद्रोही को जाने की इजाजत नहीं है. वहां ऐसी व्यवस्था कर दी गई है कि रामद्रोही घुस नहीं सकता.

इस दौरान सीएम ने कहा कि गोंडा जनपद का पौराणिक इतिहास है. देश के स्वाधीनता आंदोलन में गोंडा का महत्त्वपूर्ण योगदान है, लेकिन आजादी के बाद विकास के बजाय तुष्टिकरण हुआ. गोंडा जनपद भाई-भतीजावाद की भेंट चढ़ गया था, जिससे यहां के नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया. गोंडा का नाम सुनकर लोग 10 कदम पीछे हट जाते थे. अब डबल इंजन की भाजपा सरकार ने विकास कार्य किया है, आज आप पहचान के लिए मोहताज नहीं हैं. वहीं, कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने मंच पर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित किया. उन्हें डेमो चेक, चाबी और स्वीकृति पत्र प्रदान किया.

लखनऊ में 50-50 हजार के 2 इनामी दबोचे गए:फर्जी दस्तावेजों से 74 लाख की ठगी मामले में गिरफ्तारी

(जीएनएस) ।मोहनलालगंज

लखनऊ में वृंदावन योजना में मकान बेचने के नाम पर करीब 74 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 50-50 हजार रुपये के इनामी दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, उन्नाव निवासी गायत्री देवी ने शिकायत दर्ज कराई थी।

उन्होंने आरोप लगाया था कि सुनील कुमार शुक्ला, रवि सिंह, सर्वेश कुमार पाण्डेय, गौरव अवस्थी, विपिन कुमार शुक्ला, रीतू सिंह और कंचनलता उर्फ अंजना सहित अन्य लोगों ने एक संगठित गिरोह बनाकर उन्हें वृंदावन योजना में मकान बेचने का झांसा दिया। आरोपियों ने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज तैयार किए और झूठे आश्वासन देकर उनसे लगभग 73.99 लाख रुपये की ठगी की।

मोहनलालगंज पुलिस कर रही है जांच

पीड़िता की तहरीर पर थाना पीजीआई में मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान, इस मामले में शामिल चार अन्य आरोपियों के खिलाफ पहले ही कानूनी कार्रवाई की जा चुकी है। वर्तमान में, मामले की विवेचना थाना मोहनलालगंज पुलिस द्वारा की जा रही है।

शनिवार को थाना पीजीआई, मोहनलालगंज पुलिस और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में मुखबिर की सूचना पर दो मुख्य आरोपियों को पकड़ा गया। किसान पथ सर्विस लेन, रायबरेली रोड के पास से सुनील कुमार शुक्ला (46 वर्ष) और विपिन कुमार शुक्ला (36 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया।

दोनों आरोपियों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे आपराधिक षड्यंत्र रचकर धोखाधड़ी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और विवेचना के आधार पर आगे की कार्रवाई जारी रहेगी। इस मामले में पहले लापरवाही सामने आने पर पीजीआई कोतवाली के दो चौकी प्रभारियों को निलंबित भी किया जा चुका है।

जूनियर एशिया कप में भारत बना चैंपियन: सीएम योगी ने दी बधाई, बोले- खिलाड़ियों ने मां भारती को गौरवभूषित किया

(जीएनएस)।

लखनऊ। हॉकी पुरुष अंडर-18 जूनियर एशिया कप 2026 में भारतीय हॉकी टीम द्वारा स्वर्ण पदक जीतने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खिलाड़ियों को शनिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। जापान के काकामिगाहारा में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने मेजबान जापान को 4-1 से हराकर एशियाई चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश के उन पांच खिलाड़ियों की सराहना की, जिन्होंने टीम इंडिया की इस ऐतिहासिक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए प्रदेश का मान बढ़ाया है।

भारतीय हॉकी विश्व पटल पर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करे, यही मंगलकामना: सीएम योगी

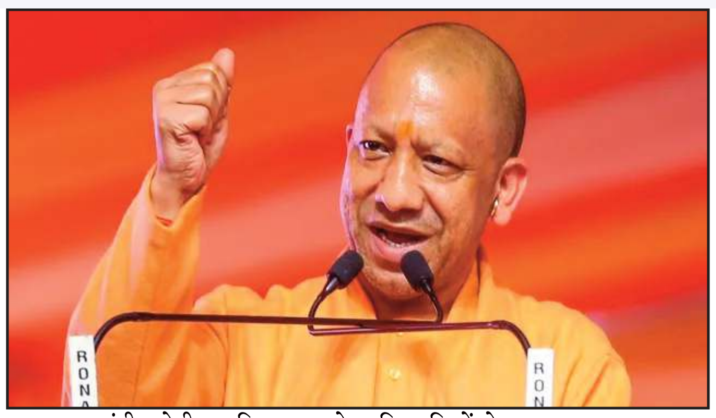

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स लिखा कि जापान में आयोजित पुरुष अंडर-18 एशिया कप 2026 में स्वर्ण पदक जीतकर मां भारती को गौरवभूषित करने वाली भारतीय हॉकी टीम एवं समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई! इस ऐतिहासिक विजय में उत्तर प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों केतन कुशवाहा, शाहरुख अली, प्रह्लाद राजभर, राहुल यादव एवं रोमित पाल के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने प्रदेश को विशेष गौरव का अवसर प्रदान किया है।

आप सभी ने अपने कौशल, समर्पण और अनुशासन से राष्ट्र का मान बढ़ाया है। टीम के सभी खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ एवं सहयोगी दल का हार्दिक अभिनंदन। विजय की यह स्वर्णिम यात्रा निरंतर नई ऊंचाइयों को स्पर्श करे, भारतीय हॉकी विश्व पटल पर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करे, यही मंगलकामना है।

डॉ. आर.पी. सिंह के नेतृत्व में हुई चयन प्रक्रिया

गौरतलब है कि, भारतीय टीम के साथ उत्तर प्रदेश के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रजनीश मिश्रा ने कोचिंग स्टाफ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, हॉकी इंडिया के मुख्य चयनकर्ता एवं उत्तर प्रदेश हॉकी के अध्यक्ष डॉ. आर.पी. सिंह के नेतृत्व में हुई चयन प्रक्रिया को भी इस सफलता का अहम आधार माना जा रहा है।

लखनऊ में एसटीएफ ने दबोचा अंतरराज्यीय परीक्षा ठगी गिरोह का सरगना, टेलीग्राम पर करता था फजीवाड़ा

(जीएनएस)।

लखनऊ। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक कराने का झांसा देकर सोशल मीडिया के माध्यम से अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के सरगना को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है।

आरोपी टेलीग्राम पर फर्जी चैनल बनाकर उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों के अभ्यर्थियों से रुपये वसूलता था। एसटीएफ के पुलिस उपाधीक्षक डीके शाही के मुताबिक, उसके पास से दो मोबाइल फोन और दो आधार कार्ड बरामद किए हैं। आरोपी की पहचान बिहार के पटना निवासी ओम कुमार के रूप में हुई है।

एसटीएफ के मुताबिक, आरोपी को शनिवार शाम सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। जांच में सामने आया है कि वह अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी की ओर से आयोजित यूपी सीनेट परीक्षा से पहले टेलीग्राम पर 'यूपी सीनेट आउट प्राइवेट चैनल' गौरवसर नाम से फर्जी चैनल संचालित किए जा रहे थे।

इन चैनलों पर दावा किया जाता था कि परीक्षा से एक दिन पहले प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिका उपलब्ध करा दी जाएगी। इसके बदले अभ्यर्थियों को दो हजार रुपये जमा कराने को कहा जाता था।

अभ्यर्थियों से कराता था ऑनलाइन भुगतान

एसटीएफ की जांच में पता चला कि आरोपी अपने टेलीग्राम चैनलों पर विभिन्न क्यूआर कोड भेजकर अभ्यर्थियों से ऑनलाइन भुगतान कराता था। रकम जमा होने के बाद पेपर उपलब्ध कराने के बजाय परीक्षा वाले दिन चैनल बंद कर देते थे। उसके बाद आरोपी दूसरी प्रतियोगी परीक्षा के नाम पर नया चैनल बनाकर फिर से ठगी शुरू कर देते थे।

परीक्षाओं के अभ्यर्थियों को ठग रहा था गिरोह

पूछताछ में ओम कुमार ने बताया कि वह वर्ष 2022 से साथियों के साथ उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों की प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों को ठग रहा था। गिरोह के सदस्य जानबूझकर दो से तीन हजार रुपये की छोटी रकम मांगते थे, ताकि अधिक से अधिक अभ्यर्थी आसानी से भुगतान कर सकें। कम राशि होने के कारण अभ्यर्थी पुलिस से शिकायत भी न करें।

यह भी पढ़ें- यूपी कॉन्स्टेबल भर्ती: 32 हजार पदों पर 28 लाख अभ्यर्थी देंगे परीक्षा; रळत्रकी निगरानी में पहुंचे प्रश्न पत्र

एसटीएफ के मुताबिक, आरोपी के मोबाइल फोन और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर अन्य सदस्यों की पहचान की जा रही है। पेपर लीक की अफवाह फैलाकर ठगी करने वाले अन्य नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

लखनऊ के पूर्व कार्यवाहक महापौर सुरेश चंद्र अवस्थी पर कुत्तों का हमला, पैर में काटा

(जीएनएस)।

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट की सख्ती के बाद भी आवारा कुत्तों के कहर पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। राजधानी लखनऊ में लोग आवारा कुत्तों को पनाह भी दे रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी खूंखार आवारा कुत्तों को न पकड़े जाने से उनके हमले का शिकार शहरवासी बन रहे हैं और हर दिन किसी न किसी इलाके में घटनाएं हो रही हैं। ऐसे ही एक कुत्ते ने लखनऊ के पूर्व कार्यवाहक महापौर को काटकर लखनऊ नगर निगम को चुनौती दी। नगर निगम की टीम ने कुत्ते को पकड़ने का दावा किया है।

लखनऊ के पूर्व कार्यवाहक महापौर सुरेश चंद्र अवस्थी पर शनिवार को आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। वह अलीगंज सेक्टर क्यू में सुबह टहलने निकले थे कि अचानक कुछ आवारा कुत्तों ने उन पर हमला कर दिया और कुत्तों ने उनके पैर में काटा है। अवस्थी ने बताया कि एक व्यक्ति ने आवारा कुत्तों को पाल रखा है, जो सड़क पर रहते हैं और लोगों पर हमला करते हैं फिलहाल उन्होंने अपना इलाज कर लिया है। कार्यवाहक महापौर पर हमले की सूचना पर एक्टिव हुई नगर निगम की टीम ने कुत्ते को पकड़ लिया है।

लखनऊ के कार्यवाहक महापौर रहे सुरेश चंद्र अवस्थी आवारा कुत्तों का शिकार बने। अवस्थी शुक्रवार रात अलीगंज सेक्टर क्यू में टहलने जा रहे थे और मकान ईडी 628 के सामने से गुजर रहे थे तभी, अचानक आठ-दस आवारा कुत्ते भौंकने लगे, उन्होंने बचने की कोशिश की, लेकिन एक कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया और पैर में काट लिया। किसी तरह आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाया।

अवस्थी का कहना है कि एक व्यक्ति ने आवारा कुत्तों को पाल रखा है, जो सड़क पर रहते हैं और लोगों पर हमला करते हैं। फिलहाल उन्होंने अपना इलाज कर लिया है। नगर निगम ने कुत्ते को पकड़ लिया है। उनका कहना है कि सड़क पर कुत्तों को पालने वालों पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, जिससे कोई अन्य कुत्तों का शिकार न बन सके।

सड़क पर आतंक बन कर घूम रहे आवारा कुत्ते

सड़कों पर करीब एक लाख से अधिक आवारा कुत्ते खतरा बने हुए हैं। बंध्याकरण पर बारह करोड़ से

अधिक की रकम खर्च होने के बाद भी कुत्तों की बढ़ती संख्या तमाम सवाल खड़ा कर रही है। नगर निगम का दावा है कि एक लाख चार हजार कुत्तों का बंध्याकरण किया जा चुका है, जबकि नगर निगम के अभिलेख बता रहे हैं कि 2019 में 75 हजार कुत्ते थे। खूंखार कुत्तों को शेल्टर होम में रखने के आदेश सुप्रीम कोर्ट का पालन भी नहीं हो पा रहा है और खूंखार कुत्तों को रखने के लिए नगर निगम शेल्टर होम नहीं बना पाया है।

कुछ दिन पहले ही शेल्टर होम के लिए जगह ही चिन्हित हो पाई है और अभी जमीन पर कुछ न दिखने से शासन से नगर निगम को बजट भी नहीं मिल पा रहा है। इसमें अधिक बार काटने वाले कुत्तों को आजीवन रखा जाना था निराश्रित श्वानों के लिए शेल्टर होम (एक हजार की क्षमता) के लिए 15464 वर्ग मीटर और जिला मुख्यालय व अन्य निकायों में 15464 वर्ग मीटर की भूमि उपलब्ध करानी है।

इनका दर्द सुनिए

राजाजी पुरम की निवासी शागुफ्ता परवीन के बेटे को आवारा कुत्तों ने काट लिया था जिसके तुरंत बाद ही उन्होंने शिकायत दर्ज करवाई थी, अभी तक उस पर कुछ कार्रवाई नहीं की गई है। जानकी विहार कालोनी के राजीव रस्तोगी, आदिल नगर के अंकित जायसवाल, अवध एनक्लेव के जहां आलम ने बताया कि उनके क्षेत्र में आवारा कुत्तों की संख्या में काफी है और यह कुत्ते बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों के साथ-साथ वहां खड़ी गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं और उनके कवर नोच रहे हैं। बालाजीपुरम के डाक्टर नीरज त्रिपाठी ने बताया कि आवारा कुत्तों के आतंक की वजह से बड़े-बुजुर्ग रात में टहलने से कतरा रहे हैं क्योंकि रात के समय यह कुत्ते ज्यादा उत्तेजित हो रहे हैं और जान माल को काफी नुकसान पहुंच रहा है।

हर दिन 150 से अधिक पहुंच रहे इंजेक्शन लगवाने

अगर सरकारी अस्पतालों का आंकड़ा देखे तो प्रतिदिन 150 से अधिक लोगों को कुत्ते काट रहे हैं। 15 अप्रैल से 15 मई के बीच कुल 4600 पीड़ितों ने रेबीज का पहला डोज लगवाया। ये आंकड़ा सिर्फ लोहिया, बलरामपुर, लोकबंधु और सिविल अस्पताल का है। इसके अलावा बड़ी संख्या में लोग निजी अस्पतालों में भी इंजेक्शन लगवाते हैं। इंजेक्शन लगवाने में ज्यादातर पुराने लखनऊ चौक, चौपटिया, नक्खास, मौलवीगंज, सआदतगंज, ऐशबाग, कैसरबाग, रकाबगंज, ठाकुरगंज, सदर, डालीगंज, गोमतीनगर और निशातगंज क्षेत्र के लोग अधिक होते हैं।

लखनऊ के चारबाग में संकरी गलियों में अवैध होटलों का जाल, गया प्रसाद गली व सुरंग जैसे रास्तों में बहुमंजिला होटल

(जीएनएस)।

लखनऊ। चारबाग में शुक्रवार दोपहर एक बजे फुटओवर ब्रिज से बासमंडी की ओर बढ़े। एपी सेन रोड पर बाईं ओर मुड़कर कुछ दूर चले और अरोड़ा बुक डिपो के पास से गया प्रसाद गली में बढ़ चले।

करीब छह से आठ फीट की गली में भव्य होटल सम्राट मिला। जहां एसी रूम सहित हर तरह की सुविधाओं का दावा करता बोर्ड भी लगा था। होटल का नक्शा व अग्नि सुरक्षा के नियमों के तहत मानक पूरे नहीं थे।

चारबाग के एपी सेन रोड के दोनों तरफ गलियों में होटलों का बड़ा कारोबार

एपी सेन रोड पर ही कुछ आगे बढ़ने पर मुन्ने लाल धर्मशाला पर चले तो होटल त्रिवेदी पहुंचने के लिए मानों अंधेरी सुरंग जैसा रास्ता पार करना पड़ा। अंदर यह होटल बड़े भू-भाग में

फैला था। होटल संचालक इतने प्रभावशाली है कि क्षेत्रीय पार्षद के माध्यम से सड़क की इंटरलाकिंग कार्य का पत्थर लगा था। बिजली के तारों का दूर तक मकड़जाल दिख रहा था।

लखनऊ विकास प्राधिकरण ने नियमों को दरकिनार करके शहर में संचालित 290 होटलों की सूची में ये होटल भी शामिल हैं। जिनकी अब जांच होनी है। असल में चारबाग के अलावा नाका हिंडोला, अमीनाबाद आदि क्षेत्रों में अवैध होटलों पर कार्रवाई करने के लिए सूचीबद्ध किया था लेकिन, सिर्फ नोटिस भेजकर ही अधिकारी मौन हो गए, जांच में जो भवन अवैध मिले उन पर ही कार्रवाई करने की किसी को हिम्मत नहीं हुई।

कई ध्वस्तीकरण के आदेश पारित हो चुके हैं। प्रभावी कार्रवाई न होने से ही होटलों का नक्शा व सुरक्षा मानक अधूरे हैं। इतना ही नहीं एलडीए के अधिकांश अपार्टमेंट में अग्नि सुरक्षा का प्रमाण पत्र तक कालातीत हो चुका है। एलडीए जोन छह के जोनल अधिकारी प्रभाकर ने कहा, अब जल्द ही जांच और कार्रवाई साथ-साथ होगी। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने कहा, जांच टीमें पूरे शहर में निरीक्षण करके कार्रवाई करेंगी।

फैसल खान या रौशन आनंद? पटना कोचिंग विवाद में किसके सपोर्ट में मशहूर इतिहास शिक्षक और मोटिवेटर अवध ओझा सर ने खोला मोर्चा

ओझा सर बोले, 'खान सर की कोचिंग पर हमला हो गया। क्यों उलझ रहे हो टीचरों से? वो एक शिक्षक है, पढ़ा रहा है और कितने बढ़िया-बढ़िया काम कर रहा है। हॉस्पिटल खोल दिया उसने, और क्या लोगे किसी शिक्षक से?

(जीएनएस)।

राजधानी पटना में देश के दो सबसे बड़े कोचिंग संस्थानों के बीच वर्चस्व की लड़ाई अब पुलिसिया कार्रवाई और अदालती चक्करों में बदल चुकी है। 'खान ग्लोबल स्टडीज' के संचालक फैसल खान उर्फ खान सर और 'ज्ञान बिंदु एकेडमी' के डायरेक्टर रौशन आनंद के बीच छिड़ी इस सियासी और व्यावसायिक जंग ने पूरे शिक्षा जगत को हिलाकर रख दिया है। इस हाई-वोल्टेज ड्रामे के बीच देश के मशहूर इतिहास शिक्षक और मोटिवेटर अवध ओझा सर की एंट्री हो गई है।

आइए जानते हैं कि दो बड़े कोचिंग गुरुओं के बीच यह विवाद आखिर शुरू कैसे हुआ, जमीन पर इस वक्त क्या हालात हैं और इस पूरे बवाल पर अवध ओझा ने किसके सपोर्ट में मोर्चा खोला है।

पोस्टर और बैनर से शुरू हुआ विवाद, फायरिंग तक पहुंचा

इस खतरनाक विवाद की पटकथा बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा का रिजल्ट आने के बाद लिखी गई थी। रिजल्ट जारी होते ही दोनों ही कोचिंग संस्थानों ने अपने यहां से सबसे ज्यादा छात्रों के चयन का दावा ठोक दिया। पूरे पटना में दोनों तरफ से सम्मान समारोह आयोजित किए गए और पोस्टर-बैनर लगाने की होड़ मच गई।

विवाद तब बढ़ा जब आरोप लगा कि खान सर के स्टाफ ने ज्ञान बिंदु एकेडमी के बोर्ड के ऊपर अपना बैनर चिपका दिया। इसके बाद टकराव की स्थिति पैदा हो गई। मामला इतना बढ़ा कि मंगलवार देर रात खान एकेडमी के बाहर जमकर तोड़फोड़, पथराव और मारपीट हुई।

केस में आए दो बड़े मोड़

1. रौशन आनंद की गिरफ्तारी: तोड़फोड़ और पथराव के मामले में खान एकेडमी के मैनेजर की शिकायत पर कदमकुआं थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ज्ञान बिंदु एकेडमी के डायरेक्टर रौशन आनंद समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

2. फायरिंग का वीडियो वायरल:

रौशन आनंद की गिरफ्तारी के अगले ही दिन सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया, जिसमें खान सर के दो बॉडीगार्ड हवा में फायरिंग करते दिखे। फॉरेंसिक जांच (FSL) और दोनों गार्डों की गिरफ्तारी के बाद केस पूरी तरह पलट गया। गार्ड्स ने पुलिसिया पूछताछ में कबूल किया कि उन्होंने खान सर के आदेश पर ही गोलियां चलाई थीं।

खान सर पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

गार्ड्स के कबूलनामे के बाद पटना पुलिस ने दूसरी एफआईआर दर्ज कर फैसल खान उर्फ खान सर को नामजद आरोपी बना दिया है। उन पर भारतीय न्याय संहिता (इठर) के तहत हत्या का प्रयास (धारा 109) और आर्म्स एक्ट की गंभीर व गैर-जमानती धाराएं लगाई गई हैं।

ग्राउंड जीरो पर क्या हैं हालात?

अंडरग्राउंड हुए खान सर: एफआईआर दर्ज होने और पुलिस की विशेष टीम (जिला जांच इकाई) के गठन के बाद से ही खान सर अंडरग्राउंड हो गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, वे वकीलों की फौज से अग्रिम जमानत को लेकर कानूनी सलाह ले रहे हैं ताकि सीधे कोर्ट में सरेंडर कर सकें।

रातभर डटे रहे छात्र: पटना पुलिस भारी बल के साथ जब खान सर के कोचिंग सेंटर पहुंची, तो हजारों की संख्या में छात्र रातभर वहीं डटे रहे और पुलिस की कार्रवाई का विरोध करते रहे। छात्रों के उग्र प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए पुलिस फूंक-फूंककर कदम रख रही है और शाम ढलने या कोचिंग का समय खत्म होने का इंतजार कर रही है।

पप्पू यादव और छात्र नेताओं के अलग सुर: पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने इस विवाद पर कहा कि प्रतिस्पर्धा बुरी नहीं है, लेकिन दोनों शिक्षकों के साथ क्रिमिनल जैसा व्यवहार नहीं होना चाहिए। वहीं, छात्र नेता दिलीप कुमार ने आरोप लगाया कि रौशन आनंद की गिरफ्तारी सुनियोजित थी और पुलिस खान सर के इशारे पर काम कर रही थी, इसलिए खान सर को तुरंत जेल भेजा जाना चाहिए।

किसके सपोर्ट में उतरे अवध ओझा सर?

पटना के इस बेहद संवेदनशील और बड़े कोचिंग विवाद पर देश के जाने-माने शिक्षक और यूट्यूबर अवध ओझा खुलकर फैसल खान (खान सर) के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने खान सर का पक्ष लेते हुए विरोधियों और राजनेताओं पर तीखा हमला बोला है।

अवध ओझा सर ने खान सर के बचाव में क्या दलीलें दीं

अवध ओझा सर ने अपने बयान में कहा कि, 'खान सर की कोचिंग पर हमला हो गया। क्यों उलझ रहे हो टीचरों से? वो एक शिक्षक है, पढ़ा रहा है और कितने बढ़िया-बढ़िया काम कर रहा है। हॉस्पिटल खोल दिया उसने, और क्या लोगे किसी शिक्षक से? मैंने देश के किसी ऐसे नेता को नहीं देखा, जिसने अस्पताल में सौ रुपए की जांच का सेंटर खुलवा दिया हो। यहां तो खूब भर-भरकर पैसा लिया जाता है। सारे नेताओं के अपने स्कूल और अस्पताल चल रहे हैं।'